हमारा अद्भुत संसार

कक्षा 3 के लिए पाठ्यपुस्तक

(हमारे आस-पास की दुनिया)

© NCERT not to be republished

0336

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

2025-26

0336 – हमारा अद्‌भुत संसार, कक्षा 3
(हमारे आस-पास की दुनिया)

ISBN 978-93-5292-697-8

प्रथम संस्करण
अगस्त 2024 श्रावण 1946
पुनर्मुद्रण
जनवरी 2025 माघ 1946

PD 50T BS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2024

₹ 65.00

एन.सी.ई.आर.टी. वॉटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा निखिल ऑफ़सेट, 223, डीएसआईडीसी कॉम्प्लेक्स, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज़-I, नई दिल्ली 110 020 द्वारा मुद्रित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नई दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरू 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट : धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लेक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781 021 फोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	*एम.वी. श्रीनिवासन*
मुख्य संपादक	:	*बिज्ञान सुतार*
मुख्य उत्पादन अधिकारी (प्रभारी)	:	*जहान लाल*
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	*अमिताभ कुमार*
सहायक उत्पादन अधिकारी	:	*ओम प्रकाश*

आवरण एवं आकल्पन
जोएल गिल
चित्रांकन
सिलजा बनसरियार, सुशांता पॉल, पलक शर्मा एवं ननित बी.एस.
— अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन, बेंगलुरू

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 में परिकल्पित विद्यालयी शिक्षा का बुनियादी स्तर बच्चों के समग्र विकास के लिए आधारशिला का कार्य करता है। यह उन्हें न केवल हमारे देश के लोकाचार और संवैधानिक ढाँचे में निहित अमूल्य संस्कारों को आत्मसात करने में सक्षम बनाता है, अपितु साथ ही बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक कौशलों को हासिल करने में भी सक्षम बनाता है।

प्रारंभिक स्तर, बुनियादी और मध्य स्तर के बीच एक सेतु का कार्य करता है जो कक्षा 3 से कक्षा 5 तक के तीन वर्षों तक चलता है। इस स्तर के दौरान प्रदान की जाने वाली शिक्षा बुनियादी स्तर के शैक्षणिक दृष्टिकोण का निर्माण करती है। इस स्तर में बच्चों को पाठ्यपुस्तकों और औपचारिक कक्षा-कक्ष से भी परिचित कराया जाता है, जबकि खेल-कूद और खोज के साथ-साथ गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धतियाँ जारी रहती हैं। इस परिचय का उद्देश्य पाठ्यचर्या के क्षेत्रों में एक आधार स्थापित करना ही नहीं, बल्कि पढ़ने, लिखने, बोलने, चित्र बनाने, गायन और खेल के माध्यम से समग्र शिक्षा और आत्मान्वेषण को बढ़ावा देना है। इस व्यापक दृष्टिकोण में शारीरिक शिक्षा, कला शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा, भाषाएँ, गणित, आधारभूत विज्ञान और सामाजिक विज्ञान शामिल हैं। यह व्यापक दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि बच्चे संज्ञानात्मक-संवेदनात्मक और शारीरिक-प्राणिक (भावनात्मक) दोनों स्तरों पर अच्छी तरह से तैयार हों, ताकि वे आसानी से मध्य स्तर तक पहुँच सकें।

विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा की अनुशंसा का पालन करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुवर्ती के रूप में, प्रारंभिक स्तर में 'हमारे आस-पास की दुनिया' को एक नया विषय क्षेत्र बनाया गया है। इसका उद्देश्य अनुभवात्मक शिक्षण दृष्टिकोण के माध्यम से पर्यावरण शिक्षा प्रदान करना तथा बच्चों के अनुभवों को विभिन्न विषय क्षेत्रों की बुनियादी अवधारणाओं से जोड़ना है जिसका वे मध्य स्तर में अध्ययन करेंगे।

'हमारे आस-पास की दुनिया' के लिए यह पाठ्यपुस्तक, 'हमारा अद्भुत संसार' बच्चों को उनकी अपनी दुनिया से संबंधित दिन-प्रतिदिन की सीखों को विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और पर्यावरण शिक्षा जैसे विभिन्न विषय क्षेत्रों की बुनियादी अवधारणाओं से जोड़ने में सहायता करने के लिए तैयार की गई है। इसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति उनकी संवेदनशीलता को बढ़ाना, उनमें समुदाय के साथ काम करने के कौशल विकसित करना और विभिन्न व्यवसायों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है।

'हमारा अद्भुत संसार', बच्चों में इस विकासात्मक स्तर के लिए आवश्यक वैचारिक समझ, आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता तथा मूल्यों और स्वभाव पर बल देती है। इसमें समावेशिता,

बहुभाषिकता, जेंडर समानता और सांस्कृतिक मूल से जुड़ाव जैसे बहुपक्षीय विषयों को शामिल किया गया है, तथा उपयुक्त आई.सी.टी. उपकरणों और स्कूल आधारित आकलन को समेकित किया गया है।

इस स्तर में बच्चों की अंतर्निहित जिज्ञासा को उनके प्रश्नों का उत्तर देकर तथा मूल शिक्षण सिद्धांतों पर आधारित गतिविधियों को प्रारूपित करके पोषित करने की आवश्यकता है। खेल-खेल में सीखने की पद्धति के इस स्तर में भी जारी रहने के चलते, शिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले खिलौनों और खेलों की प्रकृति मात्र ध्यान खींचने के बजाय बच्चों की संलग्नता बढ़ाने की दिशा में विकसित की गई है।

यद्यपि यह पाठ्यपुस्तक मूल्यवान है, फिर भी बच्चों को इस विषय पर अतिरिक्त संसाधनों की तलाश करने की आवश्यकता है। विद्यालय के पुस्तकालयों को इस विस्तारित शिक्षा को सुगम बनाना चाहिए तथा शिक्षकों और अभिभावकों को उनके इन प्रयासों का समर्थन करना चाहिए।

एक प्रभावी शिक्षण वातावरण बच्चों को प्रेरित करता है, उन्हें व्यस्त रखता है तथा उनमें जिज्ञासा व आश्चर्य को बढ़ावा देता है, जो सीखने के लिए महत्वपूर्ण है।

मैं, पूरे विश्वास के साथ प्रारंभिक स्तर के सभी बच्चों और शिक्षकों के लिए इस पाठ्यपुस्तक की अनुशंसा करता हूँ। मैं इसके विकास में शामिल सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ तथा आशा करता हूँ कि यह सभी की अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी। रा.शै.अ.प्र.प. पाठ्यपुस्तक के नियमित परिवर्द्धन और प्रकाशन की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए हम पाठ्यपुस्तक की विषय-सामग्री को परिष्कृत करने के लिए आपके सुझावों एवं प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते हैं।

नई दिल्ली
25 मई, 2024

दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक के बारे में

विद्यालयी शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एन.सी.एफ.-एस.ई.)2023 ने कक्षा 3 से कक्षा 5 के लिए विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक स्तर में 'हमारे आस-पास की दुनिया' को पाठ्यचर्या के एक मुख्य क्षेत्र के रूप में पहचाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 और एन.सी.एफ.-एस.ई. 2023 इस विषय क्षेत्र में सीखने के एक समग्र और बहु-विषयक दृष्टिकोण को एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देते हैं। इसलिए इस विषय के स्वरूप को एकीकृत और अंत:विषयक के रूप में अनुशंसित किया गया है। उपरोक्त दोनों नीति दस्तावेज प्रारंभिक स्तर पाठ्यक्रम के एक आवश्यक घटक के रूप में अनुभव, शिक्षण, अन्वेषण और खोज की अनुशंसा करते हैं।

उपरोक्त नीतिगत परिप्रेक्ष्य के आधार पर, कक्षा 3 के लिए 'हमारा अद्भुत संसार' पाठ्यपुस्तक प्रारूपित और विकसित की गई है। जैसा कि 'हमारा अद्भुत संसार' शीर्षक से ही पता चलता है, खुद करके सीखने वाले क्रियाकलापों और विस्तृत उत्तरों वाले प्रश्नों के माध्यम से यह पुस्तक अनुभवात्मक अधिगम, अन्वेषण, जाँच-पड़ताल, खोज और आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देती है। इससे बच्चों को रटने की आदत से छुटकारा पाने के अवसर मिलते हैं और उन्हें अपने आस-पास के वातावरण के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रोत्साहन मिलता है, जिससे उनमें जिज्ञासा और जाँच-पड़ताल करने की भावना बढ़ती है। यह दृष्टिकोण अवधारणाओं और कौशलों के विकास में ज्ञात से अज्ञात, स्थानीय से वैश्विक, सरल से जटिल, मूर्त से अमूर्त तथा परिचित से अपरिचित की ओर सिद्धांतों का अनुसरण करता है।

इस पाठ्यपुस्तक के तीन व्यापक घटक हैं। पहला घटक, अपेक्षित अधिगम के लिए सामग्री और कौशल का चयन है। दूसरा घटक, विषयवस्तु को बच्चों के लिए परस्पर संवादात्मक रूप में प्रस्तुत करना है। यह शिक्षकों को अवधारणाओं और कौशलों को क्रियान्वित करने में सहायता करता है। पाठ की प्रस्तुति में विभिन्न आयु-अनुरूप शैक्षणिक दृष्टिकोण, जैसे – खेल-आधारित, थीम-आधारित, खिलौने-आधारित और जाँच-आधारित तरीके शामिल हैं, जिससे शिक्षण-अधिगम बाल-केंद्रित और आनंददायक बन सके।

तीसरा घटक है, मूल्यांकन प्रक्रियाओं का चयन और बच्चों के सीखने की प्रगति पर लगातार दृष्टि रखना। हम सभी जानते हैं कि बच्चे चित्रों को पढ़ने, चर्चा करने, प्रयोग करने, पहेलियों को सुलझाने, अनुभव साझा करने तथा चित्र बनाने और लिखने के माध्यम से विचारों को व्यक्त करने से भी सीखते हैं। मूल्यांकन के बोझ को कम करने के लिए उपरोक्त गतिविधियों के माध्यम से अधिगम का मूल्यांकन करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। प्रभावी और सही मूल्यांकन के लिए प्रत्येक विषय में

© NCERT not to be republished

सीखने के प्रतिफलों और दक्षताओं की कक्षावार पहचान की गई है और शिक्षकों को तदनुसार सीखने का आकलन करना चाहिए।

पाठ्यपुस्तक के दृष्टिकोण से संबंधित उपरोक्त तीनों घटकों को एक उदाहरण द्वारा समझा जा सकता है। अध्याय 'हमारा भोजन' में बच्चे पारंपरिक व्यंजनों, जैसे – हाख (एक प्रकार का हरा साग) के बारे में सीखते हैं, जो श्रीनगर में लोकप्रिय है। यह उदाहरण उनके अपने क्षेत्र और हमारे देश के विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों की विविधता के बारे में जिज्ञासा पैदा करता है। यह अन्वेषण विभिन्न विषयों को एकीकृत करता है, क्योंकि हम किसी विशेष खाद्य पदार्थ को पकाने में प्रयुक्त सामग्री को समझने का प्रयास करते हैं। इन खाद्य पदार्थों की उत्पति के कारणों और उनकी सांस्कृतिक प्रथाओं के बारे में सीखते हैं। बच्चे यह पता लगाते हैं कि भारत भर में भोजन किस प्रकार की सांस्कृतिक प्रथाओं को दर्शाता है। इस प्रकार का अंतर्विषयी दृष्टिकोण बच्चों की समझ को गहन और विकसित करता है और विषयों, विषय क्षेत्रों और अवधारणाओं के बीच संबंध बनाने में उनकी सहायता करता है।

'हमारा अद्भुत संसार' बच्चों के आस-पास की दुनिया से जुड़े विषयों पर आधारित 4 इकाइयों से संरचित है। प्रत्येक इकाई की संरचना एक सुसंगत प्रारूप का अनुसरण करती है जिसे बच्चों को प्रभावी ढंग से संलग्न करने के अनुसार तैयार किया गया है।

इकाइयों के प्रत्येक पाठ में सिखायी जा रही अवधारणाओं और कौशलों के लिए परस्पर संवादपरक बातचीत या कहानी-आधारित कथात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है। उदाहरण के लिए, इकाई 2 की विषयवस्तु 'कुछ खोज पेड़-पौधों की' बच्चों के बीच के संवाद को प्रस्तुत करता है, जो एक बगीचे में खोज-बीन कर रहे हैं। यहाँ वे विभिन्न प्रकार के पौधों तथा उनके विभिन्न भागों की खोज कर रहे हैं और एक संतुलित व सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने के लिए पौधों की देखभाल करने की आवश्यकता के बारे में बता रहे हैं।

प्रत्येक पाठ में दी गई विषय-सामग्री बच्चों के अनुरूप है और अधिगम प्रकिया में बच्चों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करती है। स्व-व्याख्यात्मक चित्रण का उद्देश्य बच्चों में अवलोकन और आलोचनात्मक चिंतन के कौशलों को विकसित करना है। यह प्रयास किया गया है कि पुस्तक में भाषा और अवधारणा का स्तर आयु के अनुरूप हो तथा हमारे देश के विभिन्न क्षेत्रों को भी दर्शाता हो। प्रत्येक इकाई के आरंभ में प्रत्येक पाठ के लिए एक अवधारणा योजना दी गई है जो वांछित दक्षताओं और अपेक्षित अधिगम प्रतिफलों को लक्षित करने में सहायता करेगी।

पुस्तक में प्रयुक्त भाषा सरल और स्पष्ट है, जिससे बच्चे सभी चार इकाइयों में दी गई अवधारणाओं को आसानी से समझ सकें। हालाँकि, पुस्तक में कुछ नई शब्दावली को भी शामिल किया गया है, ताकि बच्चों को आसान चुनौती दी जा सके और उनके भाषा कौशल का विस्तार किया जा सके। उदाहरण के लिए, पदार्थों और उनके गुणों के बारे में सीखने के संदर्भ में पारदर्शी, अपारदर्शी और पारभासी जैसे शब्दों को शामिल किया गया है। बच्चों को वास्तविक दुनिया की वस्तुओं के संबंध में इन शब्दों को समझने में सहायता करने के लिए चित्रों और विवरणों के माध्यम से इसे समझाया गया है।

2025-26

© NCERT not to be republished

इसके अतिरिक्त, प्रत्येक पाठ में मूल्यांकन की एक अंतर्निहित समझ है जो बच्चों की प्रगति पर दृष्टि रखने और तदनुसार अधिगम-शिक्षण रणनीतियों में सुधार व उन्हें तैयार करने में सहायता करती है। इसमें घर से स्कूल तक का रेखाचित्र बनाना, प्रकृति से प्राप्त सामग्रियों का उपयोग करके रंगोली बनाना, चर्चा के बिंदु, यातायात के चिह्नों का मिलान, चित्रों में नाम भरना, पौधों की वृद्धि का निरीक्षण करने के लिए सरल प्रयोग करना या पौधे के विभिन्न भागों के कार्यों के बारे में विस्तृत उत्तर वाले प्रश्नों का उत्तर देना जैसी गतिविधियाँ शामिल की गईं हैं। 'आइए, मंथन करें' पाठ्यपुस्तक में एक ऐसा खंड है जिसमें बच्चों को पाठ से सीखी गई बातों को संक्षेप में प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है।

पुस्तक में दी गई गतिविधियाँ सुझावात्मक हैं। पाठ्यपुस्तक में दी गई गतिविधियों के अलावा बच्चों पर किसी भी तरह का दबाव डाले बिना शिक्षक अतिरिक्त गतिविधियाँ बनाने के लिए भी स्वतंत्र हैं और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि वे बच्चों को उनके स्थानीय वातावरण से जोड़ें। 'हमारा अद्भुत संसार' के माध्यम से हमने अपने बच्चों को सक्रिय और संबद्ध करने वाले सीखने के अनुभव प्रदान करने का प्रयास किया है।

हम आशा करते हैं कि यह पुस्तक प्रकृति की अद्भुत जानकारी के द्वार खोलेगी तथा इस महत्वपूर्ण अंतरानुशासनिक विषय के बेहतर अधिगम-शिक्षण को बढ़ावा देगी।

© NCERT not to be republished

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता और अखंडता**] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''राष्ट्र की एकता'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

© NCERT not to be republished

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एन.एस.टी.सी.)

महेश चंद्र पंत, *कुलाधिपति*, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (**अध्यक्ष**)
मञ्जुल भार्गव, *आचार्य*, प्रिंसटन विश्वविद्यालय (**सह अध्यक्ष**)
सुधा मूर्ति, *प्रतिष्ठित लेखिका* एवं *शिक्षाविद*
बिबेक देबरॉय, *अध्यक्ष*, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ई.ए.सी.-पी.एम.)
शेखर मांडे, *पूर्व-महानिदेशक*, सी.एस.आई.आर. एवं प्रतिष्ठित प्रोफेसर, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
सुजाता रामदोरई, *आचार्य*, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा
शंकर महादेवन, संगीत विशेषज्ञ, मुंबई
यू. विमल कुमार, *निदेशक*, प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी, बेंगलुरू
मिशेल डैनिनो, *विज़िटिंग आचार्य*, आई.आई.टी. गांधीनगर
सुरीना राजन, *आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त)*, हरियाणा एवं पूर्व महानिदेशक, एच.पी.ए.
चामू कृष्ण शास्त्री, *अध्यक्ष*, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय
संजीव सान्याल, *सदस्य*, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ई.ए.सी.-पी.एम.)
एम.डी. श्रीनिवास, *अध्यक्ष*, सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज़, चेन्नई
गजानन लोंढे, हेड, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.
रेबिन छेत्री, *निदेशक*, एस.सी.ई.आर.टी., सिक्किम
प्रत्यूष कुमार मंडल, *आचार्य*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
दिनेश कुमार, *आचार्य*, योजना एवं अनुवीक्षण प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
कीर्ति कपूर, *आचार्य*, भाषा शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
रंजना अरोड़ा, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष*, पाठ्यचर्या अध्ययन एवं विकास विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली (**सदस्य-सचिव**)

© NCERT not to be republished

© NCERT
not to be republished

पाठ्यपुस्तक निर्माण समूह

मार्गदर्शन

महेश चंद्र पंत, *अध्यक्ष*, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एन.एस.टी.सी.) तथा *सदस्य*, समन्वयन समिति, पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह — आरंभिक स्तर, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

मञ्जुल भार्गव, *सह-अध्यक्ष*, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति तथा *सदस्य*, समन्वयन समिति, पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह — आरंभिक स्तर, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सुनीति सनवाल, *प्रोफेसर* एवं *अध्यक्ष*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली तथा *सदस्य संयोजक*, समन्वयन समिति, पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह — आरंभिक स्तर, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

अध्यक्ष, उप-समूह

रेबिन छेत्री, *निदेशक*, एस.सी.ई.आर.टी., सिक्किम

सहयोग

अनीता भटनागर, *पूर्व आई.ए.एस.* तथा बाल साहित्य लेखिका

अर्चना पाणिकर, *कार्यक्रम निदेशक*, पर्यावरण शिक्षा केंद्र (सी.ई.ई.), अहमदाबाद

गायत्री दवे, *कार्यक्रम समन्वयक*, पर्यावरण शिक्षा केंद्र (सी.ई.ई.), अहमदाबाद

चाँग शिमरे, *सह-आचार्य*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

जयश्री रामादास, *सेवानिवृत्त आचार्य* (विज्ञान शिक्षा), एच.बी.सी.एस.ई. तथा डी.आई.एफ.आर., हैदराबाद

डिकिला लेप्चा, *सह-आचार्य*, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, सिक्किम

तरुण चौबीसा, *निदेशक*, शिक्षाशास्त्र और नवाचार (विज्ञान), सीड2सैंपलिंग एजुकेशन फाउंडेशन, बेंगलुरू

तूलिका डे, *सह-आचार्य*, उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, शिलाँग, मेघालय

देबोराह दत्ता, *अनुसंधान और प्रलेखन सलाहकार*, ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आनंद, गुजरात

धन्या कृष्णन, *सह-आचार्य*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

पटेल राकेश कुमार चंद्रकांत, *मुख्य अध्यापक*, नव नादिसार प्राथमिक विद्यालय, पंचमहल, गुजरात

महेंद्र कुमार अर्जन चोटालिया, *पूर्व डीन*, शिक्षा संकाय तथा *प्रमुख*, स्नातकोत्तर शिक्षा विभाग, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात

© NCERT not to be republished

मातृका शर्मा, *पी.जी.टी.* (इतिहास), राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, डिकलिंग, सिक्किम
रमा जयसुंदर, *विभागाध्यक्ष*, एन.एम.आर. विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली
विजय दत्ता, *प्रधानाचार्य*, मॉडर्न स्कूल, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली
बिनय पटनायक, *प्रमुख सलाहकार*, एन.एस.टी.सी. कार्यक्रम कार्यालय, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
वी. रामानाथन, *सहायक आचार्य*, आई.आई.टी. वाराणसी, उत्तर प्रदेश
वेना कपूर, *प्रकृति शिक्षा सलाहकार*, नेचर क्लासरूम्स, बेंगलुरू
शमीन पवालकर, *सहायक आचार्य*, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई
संदीप कुमार, *सहायक आचार्य*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
स्वाति शेलार, *वरिष्ठ परियोजना सहायक*, रचनात्मक शिक्षा केंद्र, आई.आई.टी., गांधीनगर
श्रीदेवी के.वी., *सह-आचार्य*, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर

समीक्षक

मञ्जुल भार्गव, *सह-अध्यक्ष*, एन.एस.टी.सी. तथा *सदस्य*, समन्वयक समिति, सी.ए.जी. — प्रारंभिक स्तर
अनुराग बेहर, *सदस्य*, राष्ट्रीय निरीक्षक समिति
रंजना अरोड़ा, *आचार्य* एवं *विभागाध्यक्ष*, पाठ्यक्रम अध्ययन और विकास विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
गजानन लोंढे, *प्रमुख*, एन.एस.टी.सी. कार्यक्रम कार्यालय तथा *सदस्य-समन्वयक*, उप-समूह

समन्वयक

रौमिला भटनागर, *सह-आचार्य*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
कविता शर्मा, *आचार्य*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
सरला वर्मा, *सह-आचार्य* (सह-समन्वयक), शिक्षक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

हिंदी अनुवाद

मंजू जैन, *पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
शारदा कुमारी, *व्याख्याता* (सेवानिवृत्त), एस.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
सुष्मिता मलिक, *सलाहकार*, नई दिल्ली
संगीता अरोड़ा, *अध्यापिका* (सेवानिवृत्त), केंद्रीय विद्यालय, नई दिल्ली

© NCERT not to be republished

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा पर्यवेक्षण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों; पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह – आरंभिक स्तर के सभी सदस्यों तथा अन्य अंत:संबंधी विषयों के लिए गठित पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहों के अध्यक्षों एवं सदस्यों के प्रति इस पुस्तक के निर्माण की प्रक्रिया में मार्गदर्शन एवं समीक्षा हेतु बहुमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त करती है।

परिषद, गजानन लोंढे, *प्रमुख* और बिनय पटनायक, *मुख्य सलाहकार*, एन.एस.टी.सी. कार्यक्रम कार्यालय, रा.शै.अ.प्र.प. जिन्होंने इस पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु को अंतिम रूप देने और इसके प्रारूप के पहलुओं के समन्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, को विशेष धन्यवाद ज्ञापित करती है।

सामग्री संपादन में अपर्णा जोशी, गार्गी कॉलेज और स्मृति शर्मा, एल.एस.आर., दिल्ली विश्वविद्यालय का सहयोग सराहनीय है। सुष्मिता मालिक, *पूर्व सलाहकार*, एस.सी.ई.आर.टी. और लेखिका; मंजू जैन, *पूर्व आचार्य*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प.; बलजीत कौर, *प्राचार्य* एवं *समन्वयक,* पी.ई.सी. समग्र शिक्षा, दिल्ली; संगीता अरोड़ा, *पूर्व शिक्षिका*, केंद्रीय विद्यालय शालीमार बाग, नई दिल्ली; सुपर्णा दिवाकर, *प्रमुख सलाहकार*, एन.एस.टी.सी. कार्यक्रम कार्यालय, रा.शै.अ.प्र.प. तथा अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरू के विकास चंद्र राय, तिरंग लिकांग रंगसानेमी, अरुण नाइक तथा रोनिता शमी का भी पुस्तक की विषय-सामग्री में सुधार तथा शैक्षणिक योगदान के लिए परिषद आभार व्यक्त करती है।

परिषद, इस पाठ्यपुस्तक में जेंडर समेकन एवं समावेशन तथा कला शिक्षा आदि जैसे अंत:संबंधी विषयों की समीक्षा के लिए वर्धा निकालजे, *आचार्य*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग; कीर्ति कपूर, *आचार्य*, भाषा शिक्षा विभाग; इंद्राणी भादुड़ी, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष*, शैक्षिक सर्वेक्षण प्रभाग; मोना यादव, *आचार्य*, जेंडर अध्ययन विभाग; विनय सिंह, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष*, विशेष आवश्यकता समूह शिक्षा विभाग; मिली रॉय, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष*, जेंडर अध्ययन विभाग और ज्योत्सना तिवारी, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष*, कला एवं सौंदर्यबोध शिक्षा विभाग के प्रति आभार व्यक्त करती है।

परिषद, संगीता माथुर, हरगुन कौर, रिंकी, चंचल रानी, तरणदीप कौर तथा ममता द्वारा पाठ्यपुस्तक प्रारूपण के लिए प्रदान की गई तकनीकी सहायता हेतु उनके प्रयासों की सराहना करती है। परिषद, पवन कुमार बरियार, *प्रभारी*, डी.टी.पी. प्रकोष्ठ, प्रकाशन प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प.; अतुल मिश्रा, *संपादक* (संविदा), अंजू शर्मा, *सहायक संपादक* (संविदा), गरिमा, *प्रूफरीडर* (संविदा), विवेक राजपूत, बिट्टू कुमार महतो, *डी.टी.पी. ऑपरेटर* (संविदा), प्रकाशन प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प. को इस पाठ्यपुस्तक को अंतिम रूप देने के लिए आभार व्यक्त करती है।

© NCERT not to be republished

पढ़ूँगी, बढ़ूँगी, सपनों के आसमान में
ऊँची उड़ूँगी, बस मौका चाहिए मुझे,
अपनी राह खुद चुनूँगी

© NCERT not to be republished

विषय-सूची

आमुख *iii*

पाठ्यपुस्तक के बारे में *v*

इकाई 1 : हमारे परिवार और समुदाय

अध्याय 1 : मेरा परिवार और मित्र 3

अध्याय 2 : मेले में हम 19

अध्याय 3 : त्योहार मनाएँ एक साथ 34

इकाई 2 : जीवन आस-पास

अध्याय 4 : कुछ खोज पेड़-पौधों की 47

अध्याय 5 : पेड़-पौधे और पशु-पक्षी हैं साथ 62

अध्याय 6 : निर्भरता एक-दूसरे पर 72

इकाई 3 : प्रकृति के उपहार

अध्याय 7 : पानी है अनमोल 86

अध्याय 8 : हमारा भोजन 100

अध्याय 9 : स्वस्थ रहो, प्रसन्न रहो 109

इकाई 4 : आस-पास है क्या-क्या?

अध्याय 10 : वस्तुओं की दुनिया 123

अध्याय 11 : कैसे बनीं ये वस्तुएँ? 135

अध्याय 12 : क्या और कैसे करें इसका? 149

© NCERT not to be republished

© NCERT not to be republished